



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्रधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 539]
No. 539]

नई दिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर 8, 1978/अग्राहायण 17, 1900
NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 8, 1978/AGRAHAYANA 17, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

कृषि और सिंचाई विभाग
(काष्ठ विभाग)

नई दिल्ली, 8 दिसम्बर, 1978

क० अ० 704 (अ) :- केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि 15 नवम्बर, 1978 को राजस्थान राज्य के बूंदी जिले में स्थित केशोरायपाटन में स्थित चीनी का विनिर्माण करने वाली श्री केशोरायपाटन सहकारी चीनी मिल लिमिटेड (जिसे इस अध्यादेश में इसके पश्चात् उक्त चीनी उपक्रम कहा गया है) के पास, 15 नवम्बर, 1978 के पूर्व क्रय किए गए गन्ने के संबंध में, गन्ना विकास संबंधी देय चीनी वर्ष 1977-78 के दौरान उक्त चीनी उपक्रम के प्रयोजनों के लिए इस प्रकार क्रय किए गए गन्ने को कुल चीनी के वस प्रतिगत से अधिक बकाया है ;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त चीनी उपक्रम के स्वामी को चीनी उपक्रम (प्रबन्ध ग्रहण) अध्यादेश, 1978 (1978 का 5) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन 20 नवम्बर, 1978 को सूचना संख्या चीनी/226/78-79 जारी की थी जिसमें उससे यह कहा गया था कि उक्त सूचना की प्राप्ति की तारीख से सात दिन के भीतर उन परिस्थितियों को लिखित रूप में बताए, जिनके कारण उक्त चीनी उपक्रम 15 नवम्बर, 1978 को या उसके पूर्व चीनी का विनिर्माण प्रारम्भ करने में असफल रहा है तथा उक्त चीनी उपक्रम गन्ना संबंधी देय के उक्त बकाया को चुकता करने में असफल रहा है और यह हेतुक बतित करे कि उक्त चीनी उपक्रम का प्रबन्ध केन्द्रीय सरकार द्वारा क्यों न ग्रहण कर लिया जाए ;

और केन्द्रीय सरकार का, उक्त चीनी उपक्रम की ओर से श्री केशोरायपाटन सहकारी चीनी मिल लिमिटेड, डा० घर केशोरायपाटन, जिला बूंदी,

राजस्थान के पदेन अध्यक्ष द्वारा भेजी गई रिपोर्ट तारीख 1-12-78 पर विचार करने के पश्चात्, उन परिस्थितियों की बाबत जिनके कारण 15 नवम्बर, 1978 तक चीनी का उत्पादन प्रारम्भ नहीं कर सका और गन्ना संबंधी देय वस प्रतिगत से अधिक बकाया रह गया है और गन्ना संबंधी देय के उक्त बकाया को चुकता करने में उक्त चीनी उपक्रम की प्रसमर्थता की बाबत समाधान नहीं हुआ है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अध्यादेश की धारा 3 की उपधारा (2) के खण्ड (ख) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि उक्त चीनी उपक्रम का प्रबन्ध, 13 दिसम्बर, 1978 को और उससे प्रारम्भ होने वाली तीन वर्ष की अवधि के लिए केन्द्रीय सरकार में निहित होगा।

[सं० चीनी/226/78-79]

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

(Department of Food)

New Delhi, the 8th December, 1978

ORDERS

S. O. 704(E).—Whereas the Central Government being satisfied that as on the 15th day of November, 1978, the Shri Keshoraipatan Sahkari Sugar Mills, Limited (hereinafter in this Order referred to as the said sugar undertaking) manufacturing sugar at Keshoraipatan in the District of Bundi in the State of Rajasthan has failed to commence manufacture of sugar by the 15th day of November, 1978 and has, in relation to the cane purchased before the 15th day of November, 1978,

arrears of cane dues to the extent of more than ten per cent of the total price of the cane so purchased for the purposes of the said sugar undertaking during the 1977-78 sugar year ;

And whereas, the Central Government on the 20th day of November, 1978 issued Notice No. SUG/226/78-79 under sub-section (1) of section 3 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Ordinance, 1978 (5 of 1978) to the owner of the said sugar undertaking calling upon him to report in writing within seven days from the date of receipt of the said notice the circumstances under which the said sugar undertaking has failed to commence the manufacture of sugar on or before the 15th day of November, 1978, and the said sugar undertaking has failed to clear the said arrears of cane dues, and to show cause as to why the management of the said sugar undertaking should not be taken over by the Central Government ;

And whereas, the Central Government, having considered the report, dated the 1st December, 1978 sent by the Ex-Officio Chairman of Shri Keshoraipatan Sahakari Sugar Mills Ltd., P. O. Keshoraipatan, Dt. Bundi, Rajasthan on behalf of the said sugar undertaking is not satisfied with the circumstances for the failure to commence manufacture of sugar by the 15th day of November, 1978 and for having the arrears of cane dues in excess of ten per cent and with the inability of the said sugar undertaking to clear the said arrears of cane dues ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (2) of section 3 of the said Ordinance, the Central Government hereby declares that the management of the said sugar undertaking shall vest in the Central Government for a period of three years commencing on and from the 13th December, 1978.

[No. SUG/226/78-79]

का०प्रा० 705 (अ).—केन्द्रीय सरकार को यह समाधान हो गया है कि 15 नवम्बर, 1978 को महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में शंकरनगर स्थित चीनी का विनिर्माण करने वाला जीजा माता सहकारी शंकर कारखाना लिमिटेड (जिसे इस आदेश में इसके पश्चात् उक्त चीनी उपक्रम कहा गया है) के पास, 15 नवम्बर, 1978 के पूर्व कय किए गए गन्ने के संबंध में, गन्ना संबंधी देय, चीनी वर्ष 1977-78 के दौरान उक्त चीनी उपक्रम के प्रयोजनों के लिए इस प्रकार कय किए गए गन्ने की कुल कीमत के बस प्रतिशत से अधिक बकाया है ;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त चीनी उपक्रम के स्वामी को चीनी उपक्रम (प्रबन्ध ग्रहण) अध्यादेश, 1978 (1978 का 5) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन 21 नवम्बर, 1978 को सूचना सं० चीनी 257/78-79 जारी की थी, जिसमें उससे यह कहा गया था कि वह उक्त सूचना की प्राप्ति की तारीख से सात दिनों के भीतर उन परिस्थितियों को लिखित रूप में बताएगा, जिसके कारण उक्त चीनी उपक्रम गन्ना संबंधी देय के उक्त बकाया को चुकता करने में असफल रहा है और यह हेतुक दशित करे कि उक्त चीनी उपक्रम का प्रबन्ध केन्द्रीय सरकार द्वारा क्यों न ग्रहण कर लिया जाए ;

और केन्द्रीय सरकार का, उक्त चीनी उपक्रम की ओर से जीजामाता सहकारी शंकर कारखाना लि० शंकरनगर (हुसरविष), महाराष्ट्र के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक द्वारा भेजी गई रिपोर्ट सा०/ए०डी०/1/78-79, तारीख 1-12-1978 पर विचार करने के पश्चात्, उन परिस्थितियों की बाबत जिनके कारण, गन्ना संबंधी देय बस प्रतिशत से अधिक बकाया रह गया है और गन्ना संबंधी देय के उक्त बकाया को चुकता करने में उक्त चीनी उपक्रम की असमर्थता की बाबत समाधान नहीं हुआ है ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अध्यादेश की धारा 3 की उपधारा (2) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त चीनी उपक्रम का प्रबन्ध, 13, दिसम्बर, 1978 को और इससे प्रारम्भ होने वाली तीन वर्ष की अवधि के लिये केन्द्रीय सरकार में निहित होगा।

[सं० चीनी/257/78-79]

S.O. 705(E).—Whereas the Central Government being satisfied that as on the 15th day of November, 1978, the Jijamata Sahkari Sakhar Karkhana Ltd. (hereafter in this Order referred to as the said sugar undertaking) manufacturing sugar at Shankarnagar in the District of Buldana in the State of Maharashtra has, in relation to the cane purchased before the 15th day of November, 1978, arrears of cane dues to the extent of more than ten per cent of the total price of the cane so purchased for the purposes of the said sugar undertaking during the 1977-78 sugar year ;

And whereas, the Central Government on the 21st day of November, 1978, issued Notice No. SUG/257/78-79 under sub-section (1) of section 3 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Ordinance, 1978 (5 of 1978), to the owner of the said sugar undertaking calling upon him to report in writing within seven days from the date of receipt of the said notice the circumstances under which the said sugar undertakings has failed to clear the said arrears of cane dues and to show cause as to why the management of the said sugar undertaking should not be taken over by the Central Government ;

And whereas the Central Government, having considered the report No. GEN/AD/1/1978-79, dated 1st December, 1978 sent by the Chairman and the Managing Director, Jijamata Sahakari Sakhar Karkhana Ltd., Shankarnagar (Dusar-bid), Maharashtra on behalf of the said sugar undertaking, is not satisfied with the circumstances for having the arrears of cane dues in excess of ten per cent. and with the inability of the said sugar undertaking to clear the said arrears of cane dues ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (2) of section 3 of the said Ordinance the Central Government hereby declares that the management of the said sugar undertaking shall vest in the Central Government for a period of three years commencing on and from the 13th December, 1978.

[No. SUG/257/78-79]

नई दिल्ली, 8 दिसम्बर, 1978

का०प्रा० 706 (अ).—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि 15 नवम्बर, 1978 को महाराष्ट्र राज्य के धुलिया जिले में पुरुषोत्तम नगर स्थित चीनी का विनिर्माण करने वाले सतपुड़ा तापी परिसर सहकारी शंकर कारखाना लिमिटेड (जिसे इस आदेश में इसके पश्चात् उक्त चीनी उपक्रम कहा गया है) के पास, 15 नवम्बर, 1978 के पूर्व कय किए गए गन्ने के संबंध में, गन्ना संबंधी देय, चीनी वर्ष 1977-78 के दौरान उक्त चीनी उपक्रम के प्रयोजनों के लिए इस प्रकार कय किए गए गन्ने को कुल कीमत के बस प्रतिशत से अधिक बकाया है ;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त चीनी उपक्रम के स्वामी को चीनी उपक्रम (प्रबन्ध ग्रहण) अध्यादेश, 1978 (1978 का 5) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन 21 नवम्बर, 1978 की सूचना सं० चीनी 258/78-79 जारी की थी जिसमें उससे यह कहा गया था कि वह उक्त सूचना की प्राप्ति की तारीख से सात दिनों के भीतर उन परिस्थितियों को लिखित रूप में बताए, जिनके कारण उक्त चीनी उपक्रम गन्ना संबंधी देय के उक्त बकाया चुकता करने में असफल रहा है और यह हेतुक दशित करे कि उक्त चीनी उपक्रम का प्रबन्ध केन्द्रीय सरकार द्वारा क्यों न ग्रहण कर लिया जाए ;

और केन्द्रीय सरकार का, उक्त चीनी उपक्रम की ओर से श्री सतपुड़ा तापी परिसर सहकारी शंकर कारखाना लि०, (धुलिया, महाराष्ट्र के प्रशासक द्वारा तारीख 2-12-78 को भेजी गई रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, उन परिस्थितियों की बाबत जिनके कारण गन्ना संबंधी देय बस प्रतिशत से अधिक बकाया रह गया है और गन्ना संबंधी देय के उक्त बकाया को चुकता करने में उक्त चीनी उपक्रम की असमर्थता की बाबत समाधान नहीं हुआ है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अध्यादेश की धारा 3 की उपधारा (2) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि उक्त चीनी उपकर्म का प्रबन्ध 13 दिसम्बर, 1978 को और उससे प्रारम्भ होने वाली तीन वर्ष की अवधि के लिए केन्द्रीय सरकार में निहित होगा।

[स० चीनी/258/78-79]

सी०एन० राघवन, संयुक्त सचिव

S.O. 706(E).—Whereas the Central Government being satisfied that as on the 15th day of November, 1978, the Shree Satpuda Tapi Parisar Sahakari Sakhar Karkhana Ltd. (hereafter in this Order referred to as the said sugar undertaking) manufacturing sugar at Purushottam Nagar in the District of Dhulia in the State of Maharashtra has, in relation to the cane purchased before the 15th day of November, 1978, arrears of cane dues to the extent of more than ten per cent of the total price of the cane so purchased for the purposes of the said sugar undertaking during the 1977-78 sugar years;

And whereas the Central Government on the 21st day of November, 1978, issued Notice No. SUG/258/78-79 under sub-section (1) of section 3 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Ordinance, 1978 (5 of 1978) to

the owner of the said sugar undertaking calling upon him to report in writing within seven days from the date of receipt of the said notice the circumstances under which the said sugar undertaking has failed to clear the said arrears of cane dues, and to show cause as to why the management of the said sugar undertaking should not be taken over by the Central Government;

And whereas the Central Government, having considered the report dated 2-12-1978 sent by the Administrator, Shree Satpuda Tapi Parisar Sahakari Sakhar Karkhana Ltd., Dist. Dhulia, Maharashtra, on behalf of the said sugar undertaking, is not satisfied with the circumstances for having the arrears of cane dues in excess of ten per cent and with the inability of the said sugar undertaking to clear the said arrears of cane dues;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section 3 of the said Ordinance, the Central Government hereby declares that the management of the said sugar undertaking shall vest in the Central Government for a period of three years commencing on and from the 13th December, 1978.

[No. SUG/258/78-79]

C. N. RAGHAVAN, Joint Secy.

